1

हिमालय

प्रस्तुत कविता में कवि ने संदेश दिया है कि कठिनाइयों का सामना हिम्मत से करना चाहिए न कि उनसे परेशान होकर भागना चाहिए।

खड़ा हिमालय बता रहा है,
डरो न आँधी-पानी में।

खड़े रहो अपने पथ पर,
सब कठिनाई-तूफ़ानों में।।

डिगो न अपने प्रण से तो,
सब कुछ पा सकते हो प्यारे।

तुम भी ऊँचा उठ सकते हो,
छू सकते हो नभ के तारे।।

अचल रहा जो अपने पथ पर,
लाख मुसीबत के आने में।

मिली सफलता उसको जग में,
जीने में मर जाने में।।

जितनी भी बाधाएँ आईं,
उन सबसे है लड़ा हिमालय।

इसीलिए तो दुनिया भर में,
हुआ सभी से बड़ा हिमालय।।

–सोहनलाल द्विवेदी

शिक्षा हमें साहस से कठिनाइयों का सामना करना चाहिए।

शिक्षण-संकेत

- कविता पढ़ाने से पहले छात्रों को बताएँ कि साहसी व्यक्ति के लिए कोई कार्य कठिन नहीं है।
- छात्रों से लय और ताल के साथ कविता का वाचन करवाएँ।

शब्द-पोटली

नभ	– आकाश	प्रण	– प्रतिज्ञा	मुसीबत	– विपत्ति
दुनिया	– संसार	सफलता	– कामयाबी	अचल	– अटल
बाधाएँ	– रुकावटें	आँधी	– धूल-भरी तेज़ हवा		

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) हमें अपने पथ पर कब-कब खड़े रहना चाहिए?

(ख) हम सब कुछ कैसे पा सकते हैं?

(ग) जग में किसको सफलता मिली है?

लिखित

(क) हिमालय किनसे डरने के लिए मना कर रहा है?

_____

(ख) इस कविता से आपको क्या सीख मिलती है?

_____

(ग) इस कविता के रचयिता कौन हैं?

_____

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए :

(क) _____ रहा है,
डरो न _____।

(ख) तुम भी _____,
_____ के तारे।

3. सही कथन के आगे ✓ और गलत के आगे ✗ लगाइए :

(क) हिमालय आँधी और पानी से डरने को कह रहा है। ☐

(ख) हम भी नभ के तारे छू सकते हैं। ☐

(ग) हमें कठिनाई और तूफ़ानों के सामने खड़े नहीं रहना चाहिए। ☐

(घ) हिमालय सभी बाधाओं से लड़ा है। ☐

भाषा बोध

1. दिए गए शब्दों के अनुपयुक्त पर्याय में ✗ निशान लगाइए :

(क)	पथ	–	रास्ता ☐	मार्ग ☐	लंबाई ☐
(ख)	प्रण	–	संकल्प ☐	निडर ☐	प्रतिज्ञा ☐
(ग)	मुसीबत	–	दुखी ☐	परेशानी ☐	विपत्ति ☐
(घ)	बाधा	–	दरार ☐	अड़चन ☐	रुकावट ☐
(ङ)	अचल	–	अडिग ☐	अटल ☐	चलन ☐

2. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए :

(क) हिमालय – _____

(ख) दुनिया – _____

(ग) सफलता – _____

(घ) तूफ़ान – _____

3. कविता से छाँटकर इन शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए :

पर्वत	_____	जल	_____	बड़ा	_____
संसार	_____	मृत्यु	_____	रास्ता	_____
आकाश	_____	कामयाबी	_____	परेशानी	_____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

आँधी	कठिनाई	तूफ़ानों	ऊँचा
_____	_____	_____	_____

मुसीबत	सफलता	बाधाएँ	हिमालय

क्रियात्मक कार्य

- हिमालय को देखकर तुम क्या सीखते हो? अपने भाव स्पष्ट कीजिए।

अनुच्छेद लेखन

- नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से एक अनुच्छेद लिखिए और कोई उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए :

सहायक शब्द– कलरव, पक्षी, वृक्ष, वायु, हरियाली, घास, फूल, कलियाँ, उद्‌यान, माली, पौधे, पानी, बच्चे, प्रसन्न, वसंत, ऋतु।

चित्रात्मक कार्य

- हिमालय का चित्र बनाकर उसे रंगों से सजाइए।

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- कुछ लोग होते हैं जो कठिनाई देखकर किसी कार्य को शुरू ही नहीं करते, कुछ लोग होते हैं जो कार्य तो शुरू करते हैं, लेकिन कठिनाई आने पर कार्य को रोक देते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो कार्य शुरू करने के बाद किसी भी प्रकार की कठिनाई से नहीं डरते। उसका सामना करते हुए भी अपने कार्य को चालू रखते हैं। वे बड़ी-से-बड़ी कठिनाइयों को भी ठेंगा दिखाकर आगे बढ़ जाते हैं।

  अब बताइए, कि आप किस प्रकार के व्यक्ति हैं?